भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 106

उत्तर देने की तारीख 08 दिसंबर, 2025

सोमवार, 17 अग्रहायण, 1947 (शक)

पुनर्गठित कौशल भारत कार्यक्रम

106. श्री के. सुधाकरन:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा पुनर्गठित कौशल भारत कार्यक्रम (एसआईपी) के लिए फरवरी 2025 में 8,800 करोड़ रुपये के परिव्यय की मंजूरी दी गई है, यदि हां, तो प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (पीएम-एनएपीएस) और जन शिक्षण संस्थानों (जेएसएस) के बीच परिव्यय के वितरण का ब्यौरा क्या है;

(ख) पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 5जी प्रौद्योगिकियों, साइबर सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन और ड्रोन प्रचालनों जैसे कुल कितने नए मांग-आधारित और प्रौद्योगिकी-समर्थित पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं और इन कार्यक्रमों में अब तक कितने उम्मीदवारों को नामांकित किया गया है; और

(ग) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि कौशल भारत कार्यक्रम के अंतर्गत जेएसएस योजना के एकीकरण के आलोक में पुनर्गठित कार्यक्रम का लाभ महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और वंचित क्षेत्रों सहित हाशिए पर रहने वाले समुदायों तक पहुंचे?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

पुनर्गठित कौशल भारत कार्यक्रम के संबंध में श्री के. सुधाकरन द्वारा दिनांक 08.12.2025 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *106 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिनांक 7 फरवरी 2025 को ₹8,800 करोड़ के परिव्यय के साथ वित्त वर्ष 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए कौशल भारत कार्यक्रम (एसआईपी) की केंद्रीय क्षेत्र योजना को जारी रखने की मंज़ूरी दे दी। इस एसआईपी में तीन घटक शामिल हैं: (i) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0), (ii) प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (पीएम-एनएपीएस) और (iii) जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस)। परिव्यय का योजना-वार वितरण इस प्रकार है:

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	**एसआईपी के घटक**	**परिव्यय**
1.	पीएमकेवीवाई 4.0	6000
2.	पीएम - एनएपीएस	1942
3.	जेएसएस	858

(ख) अब तक, कृत्रिम मेधा, 5जी प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, ड्रोन संचालन सहित उभरते क्षेत्रों से जुड़े 600 से अधिक भविष्यवादी और नए युग के पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा अनुमोदित किया गया है।

पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक, इन क्षेत्रों में 123 नौकरियों के लिए कुल 5,60,936 उम्मीदवारों का नामांकन हो चुका है। इन भविष्योन्मुखी और नए युग की नौकरियों में नामांकन का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ग) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अनेक कदम उठा रही है कि पुनर्गठित कौशल भारत कार्यक्रम, जिसमें प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (पीएम-एनएपीएस) और जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) शामिल हैं, का लाभ महिलाओं, ग्रामीण युवाओं और वंचित क्षेत्रों जैसे हाशिए पर आने वाले समुदायों तक पहुँचे। इनमें शामिल हैं:

I. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) - इस योजना में विशेष परियोजनाओं का प्रावधान है, जिनका लक्ष्य कम प्रतिनिधित्व वाले सामाजिक समूहों- एससी/एसटी/महिला/दिव्यांगजनों और आकांक्षी जिलों, वामपंथी उग्रवाद, जनजातीय जिलों आदि जैसे भौगोलिक क्षेत्रों को शामिल करना है। कौशल विकास कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं, जनजातीय समुदायों और अन्य हाशिए पर आने वाले समूहों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

यह सुनिश्चित करके समावेशिता में सुधार लाने के लिए कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएँ और अन्य हाशिए पर आने वाले समुदाय कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें और अंततः लाभकारी वेतन और स्वरोज़गार प्राप्त कर सकें, विशेष समूहों (महिलाओं और दिव्यांगजनों) और विशेष क्षेत्रों को, जैसा कि सामान्य मानदंडों में परिभाषित किया गया है, विशेष क्षेत्रों के भीतर और बाहर प्रशिक्षण के लिए आवास और भोजन (बीएंडएल) और परिवहन सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। सामान्य मानदंडों के अनुसार गैर-आवासीय प्रशिक्षण के मामले में विशेष समूहों के लिए परिवहन सुविधा की भी अनुमति है। ब्यौरा इस प्रकार है:

विवरण	राशि
सामान्य मानदंडों में परिभाषित विशेष समूहों **(महिलाओं और दिव्यांगजनों)** और विशेष क्षेत्रों के लिए विशेष क्षेत्रों के भीतर और बाहर प्रशिक्षण हेतु भोजन, आवास और परिवहन सुविधाएँ। हालाँकि, आकांक्षी, सीमावर्ती, आदिवासी बहुल और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में प्रशिक्षण के लिए भी यही सुविधाएँ दी जा सकती हैं।	सामान्य मानदंडों के अनुसार, प्रति प्रशिक्षु प्रति दिन अधिकतम ₹375 तक
गैर-आवासीय प्रशिक्षण में महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए परिवहन लागत	सामान्य मानदंडों के अनुसार, प्रति प्रशिक्षु प्रति माह अधिकतम ₹1500 तक
दिव्यांग उम्मीदवारों को अतिरिक्त सहायता	सहायक उपकरणों, सहायता और उपकरणों के लिए ₹ 5,000/-

इसके अतिरिक्त, आधार लागत के अलावा, उत्तर- पूर्व राज्यों, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और गृह मंत्रालय द्वारा चिन्हित वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से प्रभावित जिलों में संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए आधार लागत के 10% के बराबर अतिरिक्त राशि की अनुमति दी जाती है।

II. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (पीएम-एनएपीएस) - इसका उद्देश्य देश में शिक्षुता प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है। इसके लिए शिक्षुता अधिनियम, 1961 के अंतर्गत नियोजित शिक्षुओं को आंशिक वजीफा सहायता प्रदान की जाती है, शिक्षुता इकोसिस्टम का क्षमता निर्माण किया जाता है और हितधारकों को समर्थन प्रदान किया जाता है। तदनुसार, यह योजना प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रत्येक शिक्षु को देय वजीफे के 25% तक, अधिकतम 1500 रुपये प्रति माह तक, आंशिक वजीफा सहायता प्रदान करती है। भारत सरकार द्वारा वजीफा सहायता का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से शिक्षु के बैंक खाते में किया जाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर अनुभवात्मक प्रशिक्षण को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था के लिए कुशल कार्यबल विकसित करना, प्रशिक्षुओं को आंशिक वजीफा सहायता प्रदान करके प्रतिष्ठानों को प्रशिक्षुओं को नामांकित करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा छोटे प्रतिष्ठानों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों तथा आकांक्षी जिलों और उत्तर-पूर्व क्षेत्र जैसे कम सुविधा वाले क्षेत्रों में स्थित प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षुओं के नामांकन को प्रोत्साहित करना है।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में शिक्षुता को बढ़ावा देने के लिए विशेष हस्तक्षेप हेतु एक नई "पायलट पहल" शुरू की गई है। यह पहल उत्तर-पूर्व क्षेत्र के उन उम्मीदवारों को मौजूदा वजीफे के अतिरिक्त ₹1,500 प्रति माह का अतिरिक्त वजीफा प्रदान करती है जो उत्तर-पूर्व क्षेत्र के भीतर या उसके बाहर किसी अन्य राज्य में शिक्षुता प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह हस्तक्षेप क्षेत्र में अनुसूचित जनजातियों की उच्च जनसंख्या घनत्व वाले लोगों के कौशल विकास में योगदान दे रहा है।

III. **जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) -** जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) योजना, जिसे प्रारंभ में 1967 में श्रमिक विद्यापीठ (एसवीपी) के रूप में शुरू किया गया था, का उद्देश्य भारत सरकार से 100% अनुदान प्राप्त पंजीकृत समितियों (एनजीओ) के माध्यम से लाभार्थी के द्वार पर अनौपचारिक रूप से कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस योजना का उद्देश्य कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से स्व/मजदूरी रोजगार को बढ़ावा देकर घरेलू आय में वृद्धि करना है। जेएसएस का मुख्य लक्ष्य 15-45 वर्ष की आयु वर्ग के निरक्षरों, नव-साक्षरों और प्राथमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त व्यक्तियों तथा 12वीं कक्षा तक स्कूल छोड़ने वाले लोगों को व्यावसायिक कौशल प्रदान करना है।

वर्तमान में, 26 राज्यों और 7 संघ राज्य क्षेत्रों में 293 जेएसएस कार्यरत हैं। जुलाई 2018 में शिक्षा मंत्रालय (पूर्ववर्ती मानव संसाधन विकास मंत्रालय) से एमएसडीई को इस योजना के हस्तांतरण के बाद से, दिनांक 31 अक्टूबर 2025 तक, देश भर में जेएसएस योजना के तहत कुल 32.53 लाख लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षित लाभार्थियों में ग्रामीण और शहरी मलीन बस्तियों के शैक्षिक रूप से वंचित और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े समूह शामिल हैं। योजना के मूल उद्देश्यों के अनुरूप, प्रशिक्षित लाभार्थियों में महिलाओं की संख्या बहुसंख्यक है, जो लगभग 83% है।

धरती आबा - जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए-जेजीयूए) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) योजना के माध्यम से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में अंतिम छोर तक कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है। इस प्रयास के तहत, 15 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 30 आदिवासी जिलों में 30 जनजातीय कौशल केंद्र (टीएससी) स्थापित किए गए हैं।

अनुबंध-I

दिनांक 08.12.2025 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *106 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

दिनांक 31.10.2025 तक पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत भविष्योन्मुखी और नए युग की नौकरी भूमिकाओं (जॉब रोल्स) में नामांकन का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	**जॉब रोल्स का नाम**	**नामांकित**
1	किसान ड्रोन ऑपरेटर	4,652
2	सोलर पंप तकनीशियन	34,326
3	ऑटोमोटिव एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेटर	260
4	ऑटोमोटिव एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीशियन	210
5	ऑटोमोटिव ऑटोमेशन और रोबोटिक्स इंजीनियर	429
6	ऑटोमोटिव आईआईओटी एप्लिकेशन इंजीनियर	80
7	ऑटोमोटिव आईआईओटी एप्लिकेशन तकनीशियन	347
8	इलेक्ट्रिक वाहन असेंबली ऑपरेटर	502
9	इलेक्ट्रिक वाहन असेंबली तकनीशियन	794
10	इलेक्ट्रिक वाहन रखरखाव तकनीशियन	832
11	इलेक्ट्रिक वाहन उत्पाद डिज़ाइन इंजीनियर	190
12	इलेक्ट्रिक वाहन गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक	313
13	इलेक्ट्रिक वाहन सेवा प्रमुख तकनीशियन	90
14	इलेक्ट्रिक वाहन सेवा तकनीशियन	64,470
15	इलेक्ट्रिक वाहन परीक्षण इंजीनियर	352
16	बैटरी सिस्टम असेंबली ऑपरेटर	22
17	बैटरी सिस्टम मरम्मत तकनीशियन	77
18	क्लाउड एप्लिकेशन डेवलपर	292
19	ड्रोन निर्माण और असेंबली तकनीशियन	30
20	ड्रोन सेवा तकनीशियन	353
21	इलेक्ट्रिक वाहन असेंबली ऑपरेटर	30
22	इलेक्ट्रिक वाहन सेवा तकनीशियन	120
23	इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर असेंबली ऑपरेटर	29
24	सोलर एलईडी तकनीशियन	308
25	सोलर लाइटिंग असेंबलर (वैकल्पिक: होम लाइटिंग सिस्टम/स्ट्रीट लाइट)	30
26	सोलर पंप तकनीशियन	60

27	सोलर पीवी इंस्टॉलर - सिविल	30
28	सोलर पीवी इंस्टॉलर - इलेक्ट्रिकल	247
29	सोलर पीवी इंस्टॉलर (सूर्यमित्र)	2,711
30	सोलर पीवी रखरखाव तकनीशियन - इलेक्ट्रिकल (ग्राउंड माउंट)	30
31	सोलर पीवी प्रोजेक्ट हेल्पर	40
32	बैटरी सिस्टम असेंबली ऑपरेटर	1,785
33	बैटरी सिस्टम डिज़ाइन इंजीनियर	596
34	बैटरी सिस्टम मरम्मत तकनीशियन	16,043
35	बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम प्रोजेक्ट मैनेजर	3,130
36	ड्रोन निर्माण और असेंबली तकनीशियन	10,585
37	ड्रोन सेवा तकनीशियन	16,189
38	इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर असेंबली ऑपरेटर	12,550
39	इलेक्ट्रॉनिक्स मशीन रखरखाव कार्यकारी	28,078
40	एम्बेडेड फुल-स्टैक आईओटी विश्लेषक	424
41	एम्बेडेड उत्पाद डिज़ाइन इंजीनियर-तकनीकी प्रमुख	115
42	एम्बेडेड सॉफ़्टवेयर इंजीनियर	2,206
43	आईओटी हार्डवेयर विश्लेषक	4,919
44	मैकेनिकल इंजीनियरिंग और प्लंबिंग महाप्रबंधक	18,402
45	मेक्ट्रोनिक्स डिज़ाइनर और सिस्टम इंटीग्रेटर	77
46	मेक्ट्रोनिक्स रखरखाव विशेषज्ञ	195
47	मोटर और नियंत्रक मरम्मत तकनीशियन	858
48	मोटर और नियंत्रक डिज़ाइन इंजीनियर	779
49	सौर एलईडी तकनीशियन	47,290
50	वीएलएसआई डिज़ाइन इंजीनियर	8,463
51	ओ एंड एम इलेक्ट्रिकल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीशियन - पवन ऊर्जा संयंत्र	300
52	रूफटॉप सोलर ग्रिड इंजीनियर	1,141
53	लघु जल विद्युत संयंत्र तकनीशियन - (जल ऊर्जा मित्र)	150
54	सौर प्रकाश संयोजनकर्ता (वैकल्पिक: घरेलू प्रकाश व्यवस्था/स्ट्रीट लाइट)	6,249
55	सौर फोटोवोल्टिक उद्यमी	2,695
56	सौर प्रस्ताव मूल्यांकन विशेषज्ञ	360
57	सौर पीवी व्यवसाय विकास कार्यकारी	633
58	सौर पीवी डिज़ाइनर	3,402
59	सौर पीवी इंजीनियर (विकल्प: सौर जल पम्पिंग प्रणाली)	52
60	सौर पीवी स्थापना सहायक	262
61	सौर पीवी इंस्टॉलर - सिविल	529

62	सौर पीवी इंस्टॉलर - विद्युत	5,584
63	सौर पीवी इंस्टॉलर (सूर्यमित्र)	26,718
64	सौर पीवी रखरखाव तकनीशियन - विद्युत (ग्राउंड माउंट)	2,163
65	सौर पीवी निर्माण तकनीशियन	359
66	सौर पीवी परियोजना सहायक	2,068
67	सौर पीवी परियोजना प्रबंधक (ई एंड सी)	223
68	एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग)	7,869
69	एआई - व्यावसायिक बुद्धिमत्ता विश्लेषक	3,215
70	एआई - डेटा आर्किटेक्ट	2,820
71	एआई - डेटा इंजीनियर	1,524
72	एआई - डेटा गुणवत्ता विश्लेषक	15,469
73	एआई - डेटा वैज्ञानिक	4,683
74	ए आई - डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर	7,059
75	ए आई - डेवोप्स इंजीनियर	4,962
76	ए आई -मशीन लर्निंग इंजीनियर	8,986
77	ए आई -सॉल्यूशन आर्किटेक्ट	337
78	एप्लिकेशन सुरक्षा विश्लेषक	30
79	एंड पॉइंट सुरक्षा विश्लेषक - साइबर सुरक्षा	779
80	सुरक्षा संचालन केंद्र विश्लेषक	1,161
81	एप्लिकेशन आर्किटेक्ट - वेब और मोबाइल	465
82	एप्लिकेशन डेवलपर - वेब और मोबाइल	33,139
83	एआरवीआर आर्किटेक्ट	30
84	एआरवीआर सलाहकार	240
85	एआरवीआर इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियर	30
86	एआरवीआर सपोर्ट एनालिस्ट	650
87	क्लाउड एडमिनिस्ट्रेटर	850
88	क्लाउड एप्लिकेशन डेवलपर	6,962
89	क्लाउड कंसल्टेंट	249
90	क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर एनालिस्ट	213
91	क्लाउड सुरक्षा एनालिस्ट	430
92	कंसल्टेंट नेटवर्क सेक्युर्टी	80
93	आईओटी- डोमेन विशेषज्ञ	290
94	आईओटी - नेटवर्क विशेषज्ञ	267
95	आईओटी - उत्पाद प्रबंधक	392
96	आईओटी - सुरक्षा विशेषज्ञ	174
97	आईओटी - सॉफ़्टवेयर विश्लेषक	5,754
98	आईओटी - समाधान वास्तुकार	9,599

99	आईओटी - परीक्षण विश्लेषक	241
100	मोबाइल डिवाइस प्रबंधन विश्लेषक	345
101	उत्पाद प्रबंधक - वेब और मोबाइल	941
102	सुरक्षा विश्लेषक	716
103	सुरक्षा अवसंरचना विशेषज्ञ	1,011
104	सॉफ़्टवेयर भेद्यता/प्रवेश परीक्षक	1,052
105	उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइनर	981
106	जैव सूचना विज्ञान सहयोगी/विश्लेषक	2,971
107	जैव सूचना विज्ञान वैज्ञानिक	11,433
108	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) इंजीनियर - 5जी नेटवर्क	190
109	अवसंरचना तकनीशियन - 5जी नेटवर्क	1,306
110	परियोजना इंजीनियर - 5जी नेटवर्क	3,631
111	तकनीशियन 5जी - सक्रिय नेटवर्क स्थापना	26,190
112	दूरसंचार ई-कचरा हैंडलर	2,445
113	दूरसंचार रिगर - 5जी और लीगेसी नेटवर्क	3,166
114	दूरसंचार तकनीशियन - आईओटी उपकरण/प्रणालियाँ	40,556
115	हरित हाइड्रोजन संयंत्र उद्यमी	964
116	हरित हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ तकनीशियन - विद्युत स्रोत	1,308
117	हरित हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ तकनीशियन (विलवणीकरण)	465
118	हरित हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ तकनीशियन- भंडारण	975
119	हरित हाइड्रोजन संयंत्र कनिष्ठ तकनीशियन-इलेक्ट्रोलाइज़र	1,251
120	हरित हाइड्रोजन संयंत्र तकनीशियन	1,367
121	हरित हाइड्रोजन पर उन्नत पाठ्यक्रम	562
122	हरित हाइड्रोजन की अवधारणाएँ	254
123	हरित हाइड्रोजन संयंत्र पर्यवेक्षक	79
	कुल	**5,60,936**

*****